भारत में रोज़ खुल रहे 136 स्टार्टअप

2025 में रिकॉर्ड बढ़त, कुल संख्या 2.09 लाख पार

हर दिन 136 नए उद्यम, फेल्योर रेट सबसे कम

नई दिल्ली, 16 जनवरी. भारत में उद्यमिता अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि युवाओं की पहली पसंद बनती जा रही है. देश में हर रोज़ औसतन 136 नए स्टार्टअप्स का रजिस्ट्रेशन होना इस बदलते आर्थिक और कारोबारी माहौल की सबसे बड़ी मिसाल है.

स्टार्टअप डे के अवसर पर सामने आए ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि भारत न सिर्फ स्टार्टअप्स की संख्या में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, बल्कि उनकी स्थिरता और सफलता दर के मामले में भी दुनिया के कई बड़े देशों को पीछे छोड़ रहा है. साल 2025 में ही करीब 50,000 नए स्टार्टअप्स देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े, जिससे कुल पंजीकृत स्टार्टअप्स की संख्या 2.09 लाख तक पहुंच गई.

खास बात यह है कि भारत में स्टार्टअप्स के बंद होने की दर अब सबसे कम मानी जा रही है, जो इस बात का संकेत है कि यहां का इकोसिस्टम पहले से कहीं ज्यादा परिपक्व और मज़बूत हो चुका है. सरकारी नीतियों, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेशकों के बढ़ते भरोसे और युवाओं के नवाचार ने मिलकर भारत को वैश्विक स्टार्टअप हब की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ाया है.

> स्टार्टअप्स की बढ़ती संख्या का सीधा असर रोज़गार सृजन पर भी पड़ा है. लाखों युवाओं को अब परंपरागत नौकरियों के अलावा नए अवसर मिल रहे हैं. टेक्नोलॉजी, फिनटेक, हेल्थटेक, एग्रीटेक और ग्रीन एनर्जी जैसे सेक्टरों में भारतीय स्टार्टअप्स वैश्विक स्तर पर पहचान बना रहे हैं. विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत का स्टार्टअप मॉडल अब केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा. टियर-2 और टियर-3 शहरों से भी बड़ी संख्या में स्टार्टअप्स उभर रहे हैं, जिससे क्षेत्रीय विकास को भी गति मिल रही है. कुल मिलाकर, रोज़ाना 136 स्टार्टअप्स का खुलना यह साफ संकेत देता है कि भारत आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मज़बूती से आगे बढ़ रहा है .

आईटी, बैंकिंग शेयरों में उछाल से बढ़त में बंद हुए प्रमुख सूचकांक

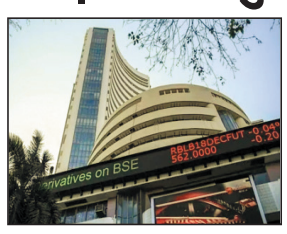

मुंबई, 16 जनवरी. आईटी और बैंकिंग शेयरों में लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी देखी गयी जबकि वृदह बाजार में गिरावट का रुख रहा. बीएसई का सेंसेक्स करीब 288 अंक की बढ़त में खुला और पूरे दिन हरे निशान में रहा.

एक समय यह 752 अंक ऊपर पहुंच गया था. अंत में 187.64 अंक की तेजी के साथ 83,570.35 अंक पर बंद हुआ. अच्छे तिमाही परिणामों के दम पर इंफोसिस का शेयर साढ़े पांच फीसदी और टेक महिंद्रा का पांच फीसदी से ज्यादा चढ़ा जिससे प्रमुख सूचकांक हरे निशान में बंद होने में कामयाब रहे. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 28.75 अंक चढ़कर 25,694.35 अंक पर बंद हुआ. मझौली कंपनियों के सूचकांक हरे निशान में और छोटी कंपनियों के लाल निशान में रहे.

निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.54 प्रतिशत चढ़ गया. वहीं, स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.28 प्रतिशत नीचे बंद हुआ. आईटी कंपनियों में जबरदस्त लिवाली से निफ्टी आईटी सूचकांक 3.34 फीसदी ऊपर रहा. बैंकिंग और रियलटी सेक्टरों में भी तेजी रही.

सोना हुआ सस्ता, चांदी में बनी रही तेजी

282,720 रुपए प्रति किलो पर पहुंची चांदी

129,813 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आया सोना

नई दिल्ली, 16 जनवरी. बुलियन बाजार में शुक्रवार को निवेशकों और ग्राहकों के लिए मिला-जुला रुख देखने को मिला. जहां सोने की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई, वहीं चांदी के भाव में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है.

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक 16 जनवरी 2026 को सोना सस्ता हुआ है, जबकि चांदी 5 हजार रुपये से ज्यादा महंगी हो गई है. 22 कैरेट यानी 916 शुद्धता वाले सोने का भाव बुधवार शाम के मुकाबले शुक्रवार सुबह 273 घटकर 129,813 रु. प्रति 10 ग्राम पर आ गया. वहीं चांदी (999 शुद्धता) का भाव 277,512 से उछलकर 282,720 प्रति किलो पहुंच गया, जो हालिया दिनों की बड़ी तेजी मानी जा रही है. बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय संकेतों और निवेशकों की मांग में बदलाव के कारण सोने और चांदी की कीमतों में यह अंतर देखने को मिल रहा है. देश के बुलियन बाजार में 16 जनवरी 2026 को सोने और चांदी की कीमतों में अलग-अलग रुख देखने को मिला.

> आइबीजेए के मुताबिक, 24 कैरेट (999 शुद्धता) सोने का भाव बुधवार शाम 1,42,015 प्रति 10 ग्राम था, जो शुक्रवार सुबह घटकर 1,41,717 रह गया. यानी सोना 298 सस्ता हो गया. इसी तरह 23 कैरेट (995) सोना 296 सस्ता होकर 1,41,150 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. 22 कैरेट (916) सोने का भाव 130,086 से घटकर 129,813 प्रति 10 ग्राम हो गया, यानी इसमें 273 की गिरावट दर्ज की गई. वहीं 18 कैरेट सोना 223 सस्ता होकर रुपए 1,06,288 और 14 कैरेट सोना 175 सस्ता होकर 82,904 प्रति 10 ग्राम पर आ गया. इसके उलट चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी देखने को मिली. बुधवार शाम 277,512 प्रति किलो बिक रही चांदी शुक्रवार सुबह 282,720 प्रति किलो पर पहुंच गई. यानी चांदी एक ही दिन में 5,208 महंगी हो गई.

डाक से ई-निर्यात पर अब मिलेगा ड्यूटी ड्रॉबैक लाभ

नई दिल्ली, 16 जनवरी. सरकार ने ई-कॉमर्स और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम निर्यातकों को प्रोत्साहन देने के एक महत्वपूर्ण कदम के तहत डिजिटल तरीके से डाक के जरिए किए गए निर्यात पर भी ड्यूटी ड्रॉबैक तथा राज्यों और केंद्रीय करों की वापसी अथवा समन की योजनाओं का लाभ देने का निर्णय लागू कर दिया है.

ड्यूटी ड्रॉबैक निर्यात माल तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले आयातित कच्चेमाल और सामानों पर लगे आयात शुल्क को समायोजित करने की योजना है. इसी तहत सरकार निर्यात माल को घरेलू शुल्कों, करों तथा उपकरों के बोझ से मुक्त रखने के लिए भी छूट या वापसी की योजनाएं लागू कर रखी हैं.

राज्य स्तरीय शुल्क और करों को वापस करने की निर्यातित उत्पादों पर शुल्कों और करों की छूट योजना और केंद्रीय तथा राज्य स्तरीय शुल्कों और लेबी को वापस करने की राज्य और केंद्रीय करों और लेवी पर छूट की योजना योजना का लाभ अब ई-कॉमर्स के तरीके से डाक के जरिये भेजे जाने वाले माल पर मिलेगा.

पतंजलि में स्मार्ट हेल्थ तकनीकों पर मंथन

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एआई, डिजिटल हेल्थ पर जोर

हरिद्वार, 16 जनवरी . पतंजलि विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के तत्वावधान में, अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से, अमेरिका की शैक्षणिक शाखा ग्लोबल नॉलेज फाउंडेशन , निदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो , देहरादून और यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड ईस्टर्न शोर के बिजनेस, मैनेजमेंट और अकाउंटिंग विभाग की संयुक्त पहल में 'स्वास्थ्य सेवा और प्रबंधन में स्मार्ट तकनीकों के एकीकरण' पर त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 15-17 जनवरी को पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन एवं विश्वविद्यालय के सहयोग से सभागार में आयोजित की गई. संगोष्ठी का आयोजन स्मार्ट तकनीकों के एकीकरण के माध्यम से प्रौद्योगिकी-प्रेरित, दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रबंधन को बढ़ावा देने और वैश्विक स्तर पर जन-स्वास्थ्य सुधार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया. पूज्य बालकृष्ण जी ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न देकर किया. शुभारंभ दीप प्रज्वलन, धन्वंतरि वंदना और श्री चंद्रमोहन व उनकी टीम के समूहगान से हुआ. कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन कुलपति प्रो. मयंक कुमार अग्रवाल ने दिया, तत्पश्चात आचार्य श्री एवं अतिथियों ने सार पुस्तक का लोकार्पण किया. अपने प्रेरक संबोधन में डॉ. देव शर्मा ने कबीर के दोहे के माध्यम से सेवा और लोककल्याण पर जोर दिया,

> कार्यक्रम में आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा ने कहा कि आधुनिक एआई जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है, पर नैतिकता आवश्यक है. उन्होंने सिंक्रोना सिटी, नवाचार, स्टार्टअप्स और पतंजलि द्वारा भारतीय ज्ञान और सनातन मूल्यों के संरक्षण पर भी बल दिया. अपने प्रेरक संबोधन में पूज्य आचार्य बालकृष्णजी ने कहा कि 'सहस्त्र चंद्र दर्शन' भारतीय सनातन परंपरा में दीर्घायु, स्वस्थ और ज्ञानपूर्ण जीवन के उत्सव का प्रतीक है, जिसका सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व अत्यंत गहरा है.

डिजिटल स्वास्थ्य प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और एआई-सहायित स्मार्ट प्रणालियों के माध्यम से सुरक्षित, प्रभावी और उन्नत चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता रेखांकित की.

सीएसएल ने निर्माण के बाद हेंज जहाज जर्मनी की कंपनी को सौंपा

कोच्चि, 16 जनवरी. कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने जर्मनी को बहुउद्देशीय जहाज एमएस हेंज सौंप दिया. नीदरलैंड के ग्रूट शिप डिजाइन द्वारा डिजाइन किए गए एचएस इकोफेटर श्रेणी के इस जहाज का निर्माण कोचीन शिपयार्ड में किया गया.

शिपयार्ड ने निर्माण के बाद इस जहाज को जर्मनी स्थित कंपनी एचएस शिफहार्ट्स यूजी एंड कंपनी केजी को सौंप दिया है. यह जहाज 7,000 टन तक का भार ढोने में सक्षम है, जो इसे भारी कार्गो सहित विविध प्रकार के माल ढोने में सक्षम बनाता है. इस जहाज की विशेषता इसका झुका हुआ अग्रभाग है,जो इसे बेहतर गति प्रदान करता है तथा अधिक ईंधन दक्ष बनाता है. एमएस हेंज की डिलीवरी अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक जहाज निर्माण क्षेत्र में सीएसएल के बढ़ते महत्व को दर्शाता है और यह वैश्विक ग्राहकों के लिए तकनीकी रूप से उन्नत वाणिज्यिक जहाजों के निर्माण में इसकी विस्तार क्षमताओं को दर्शाता है.

खुदरा और संस्थागत निवेशकों के लिए मौका

जयपुर, 16 जनवरी. लॉजिस्टिक्स सेक्टर की प्रमुख कंपनी शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार से निवेशकों के लिए खोलने जा रही है. करीब 1,907 करोड़ रुपये के इस इश्यू को लेकर बाजार में खासा उत्साह देखा जा रहा है, खासतौर पर ऐसे समय में जब ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स सेवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है. कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए 118 रुपये से 124 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड तय किया है.

एयर इंडिया-सिंगापुर एयरलाइंस का सहयोग गहराया

नई दिल्ली, 16 जनवरी. टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने सिंगापुर एयरलाइंस के साथ वाणिज्यिक सहयोग बढ़ाने के लिए शुक्रवार को एक फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर किये. इस फ्रेमवर्क समझौते में सहयोग बढ़ाने संबंधी मोटी-मोटी बातें तय की गयी हैं तथा अंतिम समझौता बाद में किया जायेगा.

सिंगापुर एयरलाइंस की एयर इंडिया में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी है. एयर इंडिया ने एक विज्ञप्ति में बताया कि यह समझौता दोनों एयरलाइंस के लिए निर्णायक संयुक्त व्यावसायिक समझौतों के माध्यम से लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को और गहरा करने का मार्ग प्रशस्त करेगा. एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन और सिंगापुर एयरलाइंस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोह चून फोंग ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किये.

अमेरिका से व्यापार समझौते पर बातचीत जारी

सहमति की ओर बढ़ते कदम : राजेश अग्रवाल

समयसीमा तय करना अभी जल्दबाजी होगी

नई दिल्ली, 16 जनवरी. भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत जारी है, लेकिन इसके समय और तारीख को लेकर अभी कोई निश्चित अनुमान लगाना संभव नहीं है.

यह बात वाणिज्य उद्योग मंत्रालय में वाणिज्य विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल ने कही. उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक दोनों पक्षों के बीच सभी मुद्दों पर पूरी तरह सहमति नहीं बन जाती, तब तक समझौते को लेकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा. अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए ऊंचे शुल्क के बावजूद भारत के निर्यात में लगातार वृद्धि होना सरकार के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है. दिसंबर 2025 के निर्यात-आयात आंकड़े पेश करते हुए वाणिज्य सचिव ने कहा कि भारत उन क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान दे रहा है, जहां शुल्क अपेक्षाकृत कम हैं या जहां भारतीय उद्योग की पकड़ मजबूत है. सरकार की रणनीति न केवल अमेरिका जैसे बड़े बाजारों में अपनी मौजूदगी बनाए रखने की है, बल्कि नए बाजारों में निर्यात के अवसर भी तलाशने की है. वाणिज्य उद्योग मंत्रालय में वाणिज्य विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि दोनों देश बातचीत में सक्रिय रूप से शामिल हैं और उच्च स्तर पर भी संवाद हो रहा है.

समाचार विशेष

त्रिकोणीय द्रविड़ राजनीति में उलझा चुनाव

डीएमके, एआईडीएमके और टीवेके के बीच सियासी तापमान बढ़ रहा

चेन्नई. अप्रैल में होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ डीएमके, एआईडीएमके और टीवेके के बीच सियासी तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है. तमिलनाडु के इतिहास में अब तक कोई भी सरकार लगातार दो विधानसभा चुनाव जीतकर सत्ता बरकरार नहीं रख सकी है.

ऐसे में मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार के सामने सत्ता विरोधी माहौल को मात देने की सबसे बड़ी चुनौती है. दूसरी ओर, एआईडीएमके, बीजेपी और अन्य सहयोगियों के साथ सत्ता में वापसी की कोशिश में जुटी है. इसी बीच, लोकप्रिय फिल्म अभिनेता जोसेफ विजय चंद्रशेखर उर्फ 'विजय' की राजनीति में सक्रिय एंट्री ने परंपरागत राजनीतिक समीकरणों को असहज कर दिया है. विजय की पार्टी टीवीके को लेकर डीएमके और एआईडीएमके दोनों ही खेमों में चिंता और सतर्कता साफ नजर आ रही है. पिछले पांच वर्षों में डीएमके सरकार का राजनीतिक सफर अपेक्षाकृत स्थिर रहा. इसकी एक बड़ी वजह विपक्ष में जयललिता जैसी करिश्माई नेता की कमी और अन्नाद्रमुक का आंतरिक कलह में उलझा रहना माना जाता है. 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों के साथ-साथ 2021 के विधानसभा चुनाव में डीएमके ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी. हालांकि, अब सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप, शासन की थकान और एक परिवार के वर्चस्व को लेकर आलोचनाएं तेज हो रही हैं

अन्नाद्रमुक-बीजेपी की रणनीति

एआईडीएमके इस बार पहले से ज्यादा यथार्थवादी नजर आ रही है. जयललिता के बाद नेतृत्व की कमी और हालिया चुनावी हार के बाद पार्टी ने सहयोगियों की जरूरत को स्वीकार किया है. बीजेपी भी अब समझ चुकी है कि केवल अपने दम पर तमिलनाडु में बड़ा राजनीतिक विस्तार आसान नहीं है. इसी कारण बीजेपी ने द्रविड़ राजनीति से जुड़े दलों के साथ गठबंधन की राह चुनी है. एडप्पादी के. पलानीस्वामी को मुख्यमंत्री चेहरे के तौर पर आगे रखते हुए अन्नाद्रमुक-बीजेपी गठबंधन को मजबूत करने की कोशिशें जारी हैं. पीएमके के शामिल होने के बाद अब निगाहें इस बात पर हैं कि क्या ओ. पन्नीरसेल्वम और टीटीवी दिनाकरन के गुट भी इस मोर्चे में शामिल होंगे.

लालू परिवार में कलह और बढ़ेगी

पटना. बिहार में लालू प्रसाद के परिवार की कलह समाप्त होने का नाम नहीं ले रही है. एक तरफ लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और परिवार के बाकी सदस्यों की कानूनी मुश्किलें बढ़ रही हैं.

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमीन के बदले नौकरी के मामले में लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के साथ साथ उनके दो बेटे और दो बेटियों पर आरोप तय करने का आदेश दे दिया है तो दूसरी ओर सिंगापुर में रहने वाली बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए तेजस्वी यादव और उनके करीबी लोगों पर हमला किया है. उधर आरोप तय करने के दिन राउज एवेन्यू कोर्ट में दोनों भाइयों तेजस्वी और तेज प्रताप यादव का आमना हुआ लेकिन दोनों में कोई सद्भाव नहीं दिखा. तेज प्रताप यादव मकर संक्रांति पर दही चिउड़ा का भोज कर रहे हैं और भाजपा व जनता दल के नेताओं से भी खूब मेल मुलाकात कर रहे हैं.

ऐसा लग नहीं रहा है कि वे परिवार के साथ किसी तरह के मेल मिलाप के पक्ष में हैं. अब समस्या यह है कि रोहिणी आचार्य सोशल मीडिया पोस्ट में कह रही हैं कि उनके पिता की कथित महान विरासत को परिवार के 'नए बने अपने' नष्ट कर रहे हैं.

भाजपा की टीएमसी के खिलाफ राजनीतिक चार्जशीट

नई दिल्ली. पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सियासत गर्माती जा रही है. भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ एक विस्तृत राजनीतिक चार्जशीट तैयार करने की योजना बनाई है,जिसका इस्तेमाल चुनावी मैदान पार्टी टीएमसी के खिलाफ करेगी.

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यह चार्जशीट हाल की घटनाओं पर आधारित होगी, जिसमें ईडी की छापेमारी में ममता बनर्जी का कथित हस्तक्षेप शामिल होगा. पश्चिम बंगाल हमेशा से भाजपा के लिए नाक की लड़ाई रही है,और अब पश्चिम बंगाल में भाजपा वैसे भी मुख्य विपक्षी पार्टी के तौर पर शुमार हो चुकी है और पार्टी आलाकमान लगातार ये दावे कर रहा है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा पश्चिम बंगाल में सरकार बनाने जा रही है. ऐसे में पार्टी पिछले साल से ही राज्य की चुनावी तैयारियों में सक्रिय हो चुकी है.

सूत्रों की माने तो पार्टी हाईकमान पश्चिम बंगाल के विकास और राजनीतिक घटनाक्रमों पर करीब से नजर रखे हुए है, और केंद्र ने राज्य के नेताओं को और अधिक आक्रामक मोड में रहने के निर्देश भी दिए हैं. राजनीतिक चार्जशीट को लेकर पार्टी के आंतरिक सूत्रों का कहना है कि चार्जशीट में ममता बनर्जी पर आरोप लगाए जाएंगे कि उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (श्रेष्ठ) की जांच में बाधा डाली है और राज्य की कानून व्यवस्था को प्रभावित किया है.घटनाक्रम पर नजर डालें तो हाल ही में कोल स्कैम से जुड़े मामले में आई-पैक (इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमिटी) के कार्यालयों पर ईडी की छापेमारी के दौरान ममता बनर्जी खुद मौके पर पहुंच गईं थीं और दस्तावेजों को जब्त करने से रोक दिया था और खुद फाइल उठाकर चली गईं थीं. इस पर भाजपा नेताओं ने राज्य से लेकर केंद्र तक चौतरफा हमला टीएमसी पर बोला था.

भाजपा पैठ बढ़ाने, ममता समर्थन जुटाने की रणनीति

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, भाजपा हाईकमान ने राज्य इकाई को निर्देश दिए हैं कि वे ममता सरकार के खिलाफ और अधिक आक्रामक रुख अपनाएं. इसमें सड़क पर विरोध प्रदर्शन, सोशल मीडिया अभियान और कानूनी कार्रवाई शामिल है. हाल के पंचायत चुनावों में हिंसा के आरोपों का जिक्र करते हुए भाजपा ने कहा कि ममता बनर्जी अब लोगों का समर्थन खो रही हैं. यह विवाद 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा और टीएमसी के बीच की राजनीतिक लड़ाई को और हवा दे रहा है. भाजपा पश्चिम बंगाल में अपनी पैठ बढ़ाने की कोशिश कर रही है, जबकि ममता बनर्जी केंद्र की एजेंसियों को राजनीतिक हथियार बताकर जनता का समर्थन जुटाने की रणनीति पर चल रही हैं.

विशेष | आदिवासी मुद्दे पर हिमंत को घेरेंगे और हेमंत सोरेन

असम की राजनीति में जेएमएम की एंट्री

रांची. असम की राजनीति में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सक्रिय एंट्री के संकेत मिल रहे हैं. मोर्चा के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अब सीधे तौर पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की सरकार को घेरने की तैयारी में हैं.

असम में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले झामुमो ने वहां के आदिवासियों की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति को राष्ट्रीय मुद्दा बनाने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है. इसे हेमंत सोरेन का 'जवाबी वार' माना जा रहा है, क्योंकि वर्ष 2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने झारखंड में सक्रिय कैंपिंग की थी और भाजपा ने उन्हें चुनाव का सह प्रभारी नियुक्त किया था.

झामुमो की योजना के तहत पार्टी का एक चार सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल असम रवाना होगा. यह दल असम के विभिन्न आदिवासी बहुल इलाकों का दौरा कर वहां की जमीनी हकीकत का आकलन करेगा और आदिवासियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर विस्तृत प्रतिवेदन तैयार करेगा. इस प्रतिनिधिमंडल में राजमहल से झामुमो सांसद विजय हांसदा, राज्य सरकार के मंत्री चमरा लिंडा, पार्टी विधायक भूषण तिर्की और एमटी राजा शामिल हैं. झामुमो की रणनीति का केंद्रबिंदु असम में आदिवासियों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा न मिलना है. पार्टी का मानना है कि असम में बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय रहते हैं, लेकिन उन्हें अब तक संवैधानिक अधिकार और आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाया है. झामुमो इस मुद्दे को न सिर्फ असम की स्थानीय राजनीति में, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी उठाने की तैयारी में है. पार्टी नेतृत्व का कहना है कि आदिवासियों की अनदेखी और उनके अधिकारों से वंचित रखना भाजपा सरकार की नीतिगत विफलता को उजागर करता है.

हिमंत बनाम हेमंत की राजनीतिक जंग

यह पूरा घटनाक्रम हिमंत बिस्व सरमा और हेमंत सोरेन के बीच बढ़ती राजनीतिक जंग का भी संकेत है. झारखंड चुनाव में भाजपा की ओर से हिमंत की सक्रिय भूमिका के बाद अब झामुमो उसी रणनीति को असम में दोहराने की तैयारी में है. फर्क सिर्फ इतना है कि झामुमो आदिवासी अधिकारों और सामाजिक न्याय को हथियार बनाकर मैदान में उतर रहा है. झामुमो के उच्चस्तरीय दल की रिपोर्ट के आधार पर पार्टी असम में आदिवासी वोट बैंक में सेंधमारी की कोशिश करेगी. माना जा रहा है कि प्रतिनिधिमंडल की रिपोर्ट को सार्वजनिक कर भाजपा सरकार की उपेक्षा को उजागर किया जाएगा और चुनावी माहौल में इसे प्रमुख मुद्दा बनाया जाएगा. इससे असम में होने वाले विधानसभा चुनाव में झामुमो की भूमिका निर्णायक न सही, लेकिन प्रभावी जरूर हो सकती है.